YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 05.06.2018

DAINIK JAGRAN

जलवायु परिवर्तन से निपटना बड़ी चुनौती

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास पर साप्ताहिक अल्पावधि पाठ्यक्रम (एसटीसी) शुरू हुआ है, जिसमें फरीदाबाद तथा एनसीआर क्षेत्र से विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। पाठ्यक्रम को मानविकी एवं विज्ञान विभाग तथा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), चंडीगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।

पाठ्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. दिनेश कुमार तथा अध्यक्ष मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने की। इस अवसर पर डीन (अकादमिक) डॉ. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। पाठ्यक्रम का संचालन डॉ. रेनुका गुप्ता तथा एनआईटीटीटीआर की ओर से हिम्मी गुप्ता द्वारा किया जा रहा है।

वाईएमसीए फरीदाबाद द्वारा जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार। जागरण

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने जलवायु परिवर्तन को एक बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए सतत तकनीकी उपायों को बढ़ावा देना होगा। फरीदाबाद के संदर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा कि फरीदाबाद शहर को विश्व के दूसरे सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल किया गया है, जिस पर शिक्षाविदों तथा तकनीकीविदों को गंभीरता से सोचने की आवश्यकता है कि किसी प्रकार सतत विकास को पर्यावरण मैत्री बनाया जाये और बढ़ते प्रदूषण पर रोकथाम लगाई जाए। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग को न्यूनतम करने के साथ-साथ हमें प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने होंगे और हरित तकनीक को बढ़ावा देना होगा। सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. राज कुमार ने कहा कि पाठ्यक्रम के लिए विषय आज के संदर्भ में प्रासंगिक है, क्योंकि जिस प्रकार से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है, यदि समय रहते उपाय नहीं किये गये तो मानव जीवन का अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए हरित तकनीकों को अपनाना होगा। सत्र को डीन (अकादमिक) डॉ. विक्रम सिंह ने भी संबोधित किया। डॉ.रेनुका ने बताया कि छह दिवसीय पाठ्यक्रम के दौरान दस विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें जलवायु परिवर्तन, हरित निर्माण, सतत उर्जा, वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य, निर्माण उद्योग में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उपायों को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी।

DAINIK BHASKAR

विश्व पर्यावरण दिवस | वाईएमसीए में जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास पर साप्ताहिक अल्पावधि पाठ्यक्रम शुरू

बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश नहीं लगाया गया तो मानव जीवन का अस्तित्व खतरे में : प्रो. कुमार

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास पर साप्ताहिक अल्पावधि पाठ्यक्रम शुरू हुआ। इसमें फरीदाबाद तथा एनसीआर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। पाठ्यक्रम को मानविकी एवं विज्ञान विभाग तथा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) चंडीगढ़ की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया है। पाठ्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. दिनेश कुमार तथा अध्यक्ष मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने किया।

कार्यक्रम में अपने विचार रखते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने जलवायु परिवर्तन को एक बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए सतत तकनीकी उपायों को बढ़ावा देना होगा। फरीदाबाद के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा कि फरीदाबाद को विश्व के दूसरे सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल किया गया है। इस पर शिक्षाविदों तथा तकनीकी विदों को सोचने की जरूरत है कि किसी प्रकार सतत विकास को पर्यावरण मैत्री बनाया जाए और बढ़ते प्रदूषण पर रोकथाम लगाई जाए। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग को न्यूनतम करने के साथ-साथ हमें प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने होंगे और हरित

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 05.06.2018

PUNJAB KESARI

जलवायु परिवर्तन और सतत ढांचागत विकास विषय पर पाठ्यक्रम प्रारंभ

जलवायु परिवर्तन तथा सतत तकनीकी उपायों को लेकर होगी चर्चा

फरीदाबाद, 4 जून(ब्यूरो): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फ रीदाबाद द्वारा जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास पर साप्ताहिक अल्पावधि पाठ्यक्रम (एसटीसी) प्रारंभ हो गया, जिसमें फरीदाबाद तथा एनसीआर क्षेत्र से विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। पाठ्यक्रम को मानविकी एवं विज्ञान विभाग तथा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), चंडीगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार व अन्य।

पाठयक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो दिनेश कुमार तथा अध्यक्ष मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो राज कुमार ने की। इस अवसर पर डीन (अकादमिक) डॉ विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। पाठ्यक्रम का संचालन डॉ रेनूका गुप्ता तथा एनआईटीटीटीआर की ओर से हिम्मी गुप्ता द्वारा किया जा रहा है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Tue, 05 June 2018
epaper.punjabkesari.in/c/29254337

NEWS CLIPPING: 05.06.2018

PUNJAB KESARI (DELHI)

साप्ताहिक अल्पावधि पाठ्यक्रम एसटीसी प्रारंभ

60 से अधिक प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास पर साप्ताहिक अल्पावधि पाठ्यक्रम एसटीसी प्रारंभ हो गया, जिसमें फरीदाबाद तथा एनसीआर क्षेत्र से विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। पाठ्यक्रम को मानविकी एवं विज्ञान विभाग तथा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। पाठ्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो दिनेश कुमार तथा अध्यक्ष मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो राज कुमार ने की। इस अवसर पर डीन अकादमिक डॉ विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। पाठ्यक्रम का संचालन डॉ रेनूका गुप्ता तथा एनआईटीटीटीआर की ओर से हिम्मी गुप्ता द्वारा किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने जलवायु परिवर्तन को एक बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए सतत तकनीकी उपायों को बढ़ावा देना होगा। फरीदाबाद के संदर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा कि फरीदाबाद शहर को विश्व के दूसरे सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल किया गया है, जिस पर शिक्षाविदों तथा तकनीकीविदों को गंभीरता से सोचने की आवश्यकता है कि किसी प्रकार सतत विकास को पर्यावरण मैत्री बनाया जाये और बढ़ते प्रदूषण पर रोकथाम लगाई जाये। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग को न्यूनतम करने के साथ.साथ हमें प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने होंगे और हरित तकनीक को बढ़ावा देना होगा।

सत्र को संबोधित करते हुए प्रो राज कुमार ने कहा कि पाठ्यक्रम के लिए विषय आज के संदर्भ में प्रासंगिक है क्योंकि जिस प्रकार से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है, यदि समय रहते उपाय नहीं किये गये तो मानव जीवन का अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए हरित तकनीकों को अपनाना होगा। सत्र को डीन अकादमिक डॉ विक्रम सिंह ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार। (छाया:राकेश देव)

इस अवसर पर प्रो राज कुमार ने कुलपति प्रो दिनेश कुमार को पुस्तक भेंट की डॉ रेनूका ने बताया कि छह दिवसीय पाठ्यक्रम के दौरान दस विशेषज्ञ सत्र आयोजित किये जायेंगेए जिसमें जलवायु परिवर्तन, हरित निर्माण, सतत उर्जा, वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य, निर्माण उद्योग में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उपायों को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की जायेगी।

NEWS CLIPPING: 05.06.2018

HINDUSTAN

जलवायु परिवर्तन की चुनौती से अवगत कराया

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से सोमवार को जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास पर छह दिवसीय पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

मानविकी एवं विज्ञान विभाग तथा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के संयुक्त प्रयासों से हो रहे इस कार्यक्रम में फरीदाबाद और एनसीआर के 60 प्रतिभागी शामिल हुए।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार और मानविकी एवं विज्ञान विभाग के अध्यक्ष अध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चुनौती है। इसके निपटान के लिए सतत तकनीकी उपायों को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद शहर को विश्व के दूसरे सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल किया गया है। इसपर गंभीरता से चिंतन जरूरी है।

प्रो. राज कुमार ने कहा कि अगर समय रहते प्रदूषण कम करने के उपाय नहीं किए गए तो मानव जीवन का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

कार्यक्रम

- जलवायु परिवर्तन तथा सतत ढांचागत विकास पर पाठ्यक्रम
- फरीदाबाद और एनसीआर के 60 प्रतिभागी शामिल हुए

NEWS CLIPPING: 05.06.2018

PUNJAB KESARI

वाईएमसीए विश्वविद्यालय को रूसा के तहत 20 करोड़

फरीदाबाद, 4 जून (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) योजना के दूसरे चरण के अंतर्गत विकास कार्यों के लिए 20 करोड़ रुपए का फंड आवंटित हुआ है। रूसा केंद्रीय सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित योजना है, जिसका उद्देश्य देश में उच्चतर शिक्षण संस्थानों को उनकी पात्रता के अनुरूप ढांचागत, अकादमिक तथा अनुसंधान विकास के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान करना है।

सभी राज्य सरकारों के प्रस्तावों के आधार पर फंड प्रतिबंधों को अंतिम रूप देने के लिए रूसा की 12वीं परियोजना स्वीकृति बोर्ड की बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा ढांचागत विकास को लेकर दिए गए प्रस्ताव को भी अनुमोदित किया गया। इस अनुदान का उपयोग विश्वविद्यालय द्वारा नये निर्माण कार्यों, नवीनीकरण गतिविधियों तथा उपकरणों की खरीद पर किया जायेगा। योजना के तहत हरियाणा से चार विश्वविद्यालयों का चयन किया गया है। विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने पर प्रसन्नता जताते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि इस अनुदान से विश्वविद्यालय में नये पाठ्यक्रमों के लिए ढांचागत विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने तथा अनुसंधान सुविधाओं को सुदृढ़ करने में बल मिलेगा। केंद्रीय अनुदान से विश्वविद्यालय में प्रयोगशालाओं का विस्तार, कक्षाओं का नवीनीकरण, पुस्तकालय तथा उपकरणों की खरीद करना प्राथमिकता रहेगी।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Tue, 05 June 2018
epaper.punjabkesari.in/c/29254258